<u>प्रेस-विज्ञप्ति</u>

दीव उप-समाहर्ता श्री हरमिंदर सिंह ने दीव स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत म्युनिसिपल परफोर्मेंश इंडेक्स को बेहतर बनाने के लिए आमलोगों से सहयोग की अपील की

दीव 03 फरवरी, 2020: दीव उप-समाहर्ता एवं दीव नगरपालिका के मुख्य अधिकारी श्री हरमिंदर सिंह ने प्रशासन के विभिन्न विभागों और दीव शहर के लोगों से इस शहर के जीवनस्तर को सुगम बनाने और म्युनिसिपल परफोर्मेंश इंडेक्स (MPI) को और अधिक बेहतर बनाने के लिए अपेक्षित सहयोग मांगा है, ताकि भारत के विभिन्न शहरों में दीव स्मार्ट सिटी का प्रदर्शन बेहतर हो सके। संबंधित मंत्रालय द्वारा इस कार्य को पूरा करने के लिए 14 फरवरी 2020 की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

इस इंडेक्स का उद्देश्य शहरों में रहने वाले नागरिकों के ईज ऑफ लिविंग (EoL) का आकलन करना है, जो सरल जीवनयापन के तीन स्तंभों यानि जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक क्षमता और निर्वहन क्षमता के 14 श्रेणियों अर्थात् शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और आश्रय, डब्लू.ए.एस.एच. और एस.डब्लू.एम., गतिशीलता, बचाव एवं सुरक्षा, मनोरंजन, आर्थिक विकास, आर्थिक संभावनाएं, गिनी गुणांक, पर्यावरण, हरित स्थान एवं भवन, ऊर्जा की खपत तथा शहरी सुविधा के साथ 50 संकेतक का आकलन करते हैं।

इस मूल्यांकन के जरिये शहरी आंकड़ों को एकत्रित किया जाएगा। यह भविष्य में शहरी सेवाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में सहायक होगा। शहरी जीवन की गुणवत्ता, आर्थिक क्षमता और स्थिरता के मूल्यांकन से सुगम जीवन इंडेक्स 2019 का आधार तैयार होता है। यह नगरपालिका प्रशासन को वर्तमान इनपुट आधारित दृष्टिकोण से परिणाम-आधारित योजना की ओर बढ़ने में मदद करेगा। इसके साथ, भारत सरकार ने इन परिणामों के मूल्यांकन से स्मार्ट शहरों और अन्य 10 लाख की आबादी से अधिक वाले शहरों को सुविधाजनक बनाने की मांग की है, जिससे अंततः शहरों की बेहतर योजना और प्रबंधन हो सकेगा। यह इंडेक्स नागरिकता बोध सर्वेक्षण का एक घटक है, जो नागरिकता के मनोभाव को समझने के संबंध में लोगों की मानसिकता का मापन करता है। पुन: धारणा सर्वेक्षण के निष्कर्षों से यह पता लगाने में मदद मिल सकती है कि क्या शहर के बारे में नागरिकों का दृष्टिकोण उपलब्ध शहरी सेवाओं से मेल खाता है या नहीं।

प्राय: शहरों के विकास का निर्धारण नगरपालिकाओं के कामकाज के आधार पर किया जाता है। ये वो प्रधान कारक हैं जो शहर को 'स्मार्ट' बनाने हेतु समर्थकों को सहयोग प्रदान करते हैं। इस दृष्टिकोण के साथ, आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने तयशुदा कार्यों के आधार पर देश भर के सभी 100 स्मार्ट शहरों और दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में नगरपालिकाओं के प्रदर्शन का आकलन और विश्लेषण करने के लिए पहली बार म्युनिसिपल परफोर्मेंश इंडेक्स 2019 का शुभारंभ किया है। इस मूल्यांकन में नगरपालिकाओं के क्षेत्रीय प्रदर्शन के साथ-साथ सुगम जीवन निर्वाह इंडेक्स में 20 विभाग और 100 संकेतकों को शामिल किया गया है। हालांकि नागरिक अनुभूति सर्वेक्षण को फेसबुक, ट्विटर, प्रमुख स्थलों और संस्थानों में होर्डिंग्स, सार्वजनिक वाहनों पर पोस्टर लगाकर और समाचार पत्र

में विज्ञापन के जरिये ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से प्रबंधित किया जा रहा है । यह सर्वेक्षण फरवरी 2020 के अंत तक जारी रहेगा।

दीव जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि सर्वेक्षण से संबंधित लिंक http://eol2019.org/Citizenfeedback पर जाकर इज ऑफ लिविंग सर्वे में अपनी सहभागिता दर्ज करते हुए अपने शहर की रेटिंग करें और अपने सुझावों और दृष्टिकोण को साझा करें, ताकि प्राप्त सुझावों पर विचार कर सरकार एवं प्रशासन सुविधाओं को और अधिक उन्नत बनाने की दिशा में कारगर कदम उठा सके।